1. संस्थापक**:**

- जैन धर्म की स्थापना भगवान महावीर ने की थी, जिन्हें वर्धमान महावीर या केवल महावीर के नाम से भी जाना जाता है।
- उनका जन्म छठी शताब्दी ईसा पूर्व में वर्तमान बिहार, भारत में हुआ था।

2. मूल विश्वास**:**

- जैन धर्म की विशेषता इसके मूल सिद्धांतों से है, जिन्हें अक्सर "तीन रत्न" या "रत्नत्रय" कहा जाता है:
  - सम्यक विश्वास (सम्यक दर्शन): जैन धर्म की शिक्षाओं की सत्यता को स्वीकार करना।
  - सम्यक ज्ञान (सम्यक ज्ञान): स्वयं और ब्रह्मांड का ज्ञान प्राप्त करना।
  - सही आचरण (सम्यक चरित्र): नैतिक रूप से ईमानदार और अहिंसक जीवन जीना।

3. अहिंसा **(**अहिंसा**):**

- अहिंसा, या अहिंसा, जैन धर्म का सबसे बुनियादी सिद्धांत है।
- जैन जानवरों, कीड़ों और पौधों सहित सभी जीवित प्राणियों को नुकसान से बचने के लिए प्रतिबद्ध हैं।
- जैनियों में शाकाहार एक आम प्रथा है।

4. तपस्वी जीवनशैली**:**

- जैन भिक्षु और नन सांसारिक संपत्ति और आसक्ति को त्यागकर अत्यधिक तपस्वी जीवन जीते हैं।
- वे साधारण सफेद वस्त्र पहनते हैं, अपने बाल उखाड़ते हैं और अत्यधिक अनासक्ति का अभ्यास करते हैं।

5. कर्म की अवधारणा**:**

- जैन धर्म कर्म की अवधारणा सिखाता है, जो किसी के कार्यों से नैतिक और नैतिक परिणामों का संचय है।
- लक्ष्य धार्मिक आचरण और आध्यात्मिक प्रथाओं के माध्यम से कर्म को कम करना और अंततः समाप्त करना है।

6. पुनर्जन्म का चक्र**:**

- जैन लोग आध्यात्मिक मुक्ति (मोक्ष) प्राप्त होने तक जन्म, मृत्यु और पुनर्जन्म (संसार) के चक्र में विश्वास करते हैं।
- मोक्ष सभी कर्मों को त्यागने और आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्त करने से प्राप्त होता है।

7. धर्मग्रंथ **:**

- जैन धर्म के प्राथमिक धार्मिक ग्रंथों को "आगम" या "सूत्र" कहा जाता है, जिनमें भगवान महावीर की शिक्षाएँ शामिल हैं।
- जैन धर्म के भीतर दो प्रमुख संप्रदाय हैं, दिगंबर (आसमान पहने हुए) और श्वेतांबर (सफेद कपड़े पहने हुए), प्रत्येक के पास अपने स्वयं के ग्रंथ हैं।

8. पूजा एवं अनुष्ठान**:**

- जैन विभिन्न तीर्थंकरों (आध्यात्मिक शिक्षकों) और दिव्य प्राणियों की पूजा करते हैं।
- अनुष्ठानों में प्रार्थना, ध्यान, उपवास और जैन मंदिरों और तीर्थ स्थलों की यात्रा शामिल है।

9. भारतीय संस्कृति में योगदान**:**

- जैन धर्म ने भारतीय संस्कृति, विशेषकर कला, वास्तुकला और साहित्य के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।
- जटिल नक्काशी वाले जैन मंदिरों का निर्माण और प्राचीन पांडुलिपियों का संरक्षण इसके उल्लेखनीय उदाहरण हैं।

10. प्रभाव एवं उपस्थिति**:**

- जैन धर्म का भारतीय दर्शन, नैतिकता और धार्मिक विचारों पर स्थायी प्रभाव रहा है।
- हालाँकि यह भारत में एक अल्पसंख्यक धर्म है, जैन समुदाय देश के विभिन्न हिस्सों में पाए जा सकते हैं।

11. प्रमुख हस्तियाँ**:** - भगवान महावीर के अलावा, उल्लेखनीय जैन हस्तियों में पहले तीर्थंकर, ऋषभनाथ और प्रमुख जैन विद्वान और भिक्षु शामिल हैं।

LEARNING MANTRAS